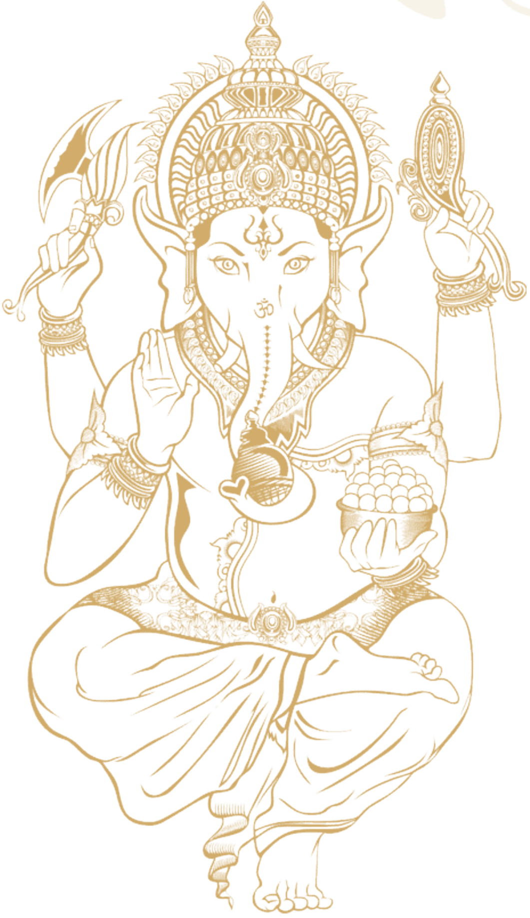

sahil

neha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121704101

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/01/1998	जन्म तिथि	8-09/02/2001
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 23:50:00	जन्म समय	06:05:00 घंटे
घटी 41:10:16	जन्म समय(घटी)	57:16:00 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:21:53	सूर्योदय	07:10:36
17:30:08	सूर्यास्त	18:03:45
23:49:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:06

कन्या	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
धनिष्ठा	नक्षत्र	मघा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	3
वज्र	योग	शोभन
वणिज	करण	कौलव
गी-गीत	जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
सिंह	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 5वर्ष 1मा 5दि		08:45:25	कन्या	लग्न	मक	05:44:34	केतु 3वर्ष 5मा 11दि	
गुरु		17:18:29	धनु	सूर्य	मक	26:27:15	सूर्य	
06/02/2021		26:57:24	मक	चंद्र	सिंह	06:45:49	23/07/2024	
06/02/2037		17:32:22	मक	मंगल	वृश्चि	03:03:03	23/07/2030	
गुरु	27/03/2023	25:07:26	वृश्चि	बुध व	कुंभ	04:38:33	सूर्य	09/11/2024
शनि	07/10/2025	28:34:46	मक	गुरु	वृष	07:41:05	चन्द्र	11/05/2025
बुध	13/01/2028	09:23:48	मक व	शुक्र	मीन	11:14:51	मंगल	16/09/2025
केतु	19/12/2028	19:57:00	मीन	शनि	वृष	00:24:13	राहु	10/08/2026
शुक्र	20/08/2031	18:27:19	सिंह व	राहु व	मिथु	21:13:59	गुरु	30/05/2027
सूर्य	07/06/2032	18:27:19	कुंभ व	केतु व	धनु	21:13:59	शनि	10/05/2028
चन्द्र	07/10/2033	13:19:57	मक	हर्ष	मक	26:55:15	बुध	17/03/2029
मंगल	13/09/2034	05:08:35	मक	नेप	मक	12:54:50	केतु	23/07/2029
राहु	06/02/2037	12:57:44	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:01:29	शुक्र	23/07/2030

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:49:41 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:06

लग्न-चलित

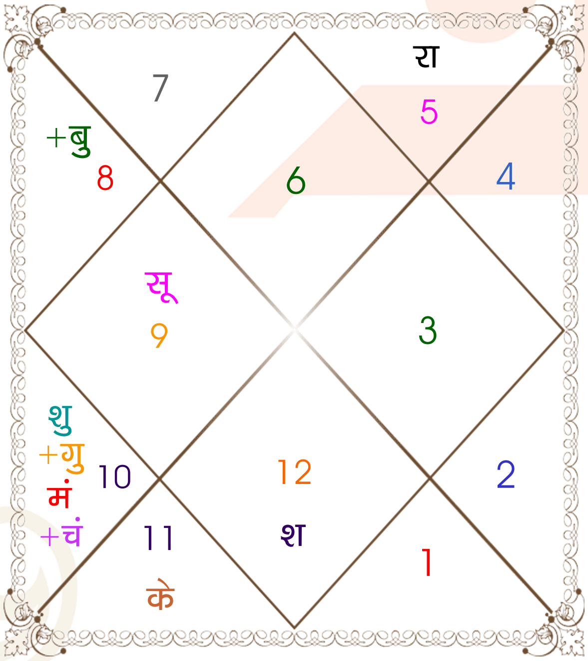

लग्न-चलित

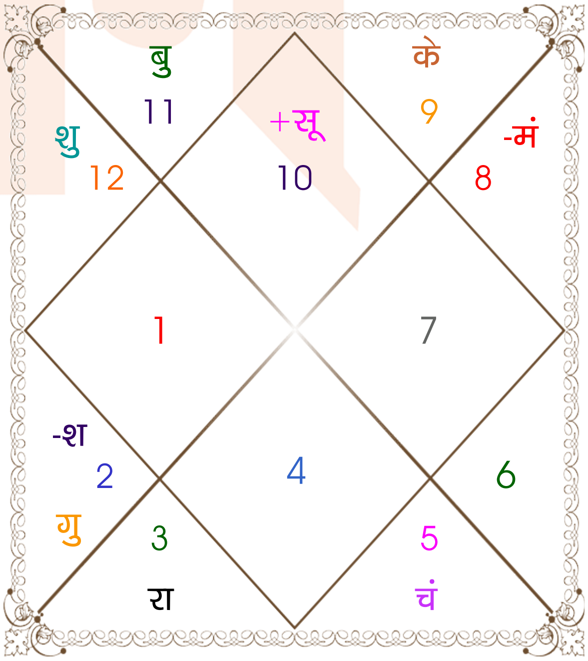

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

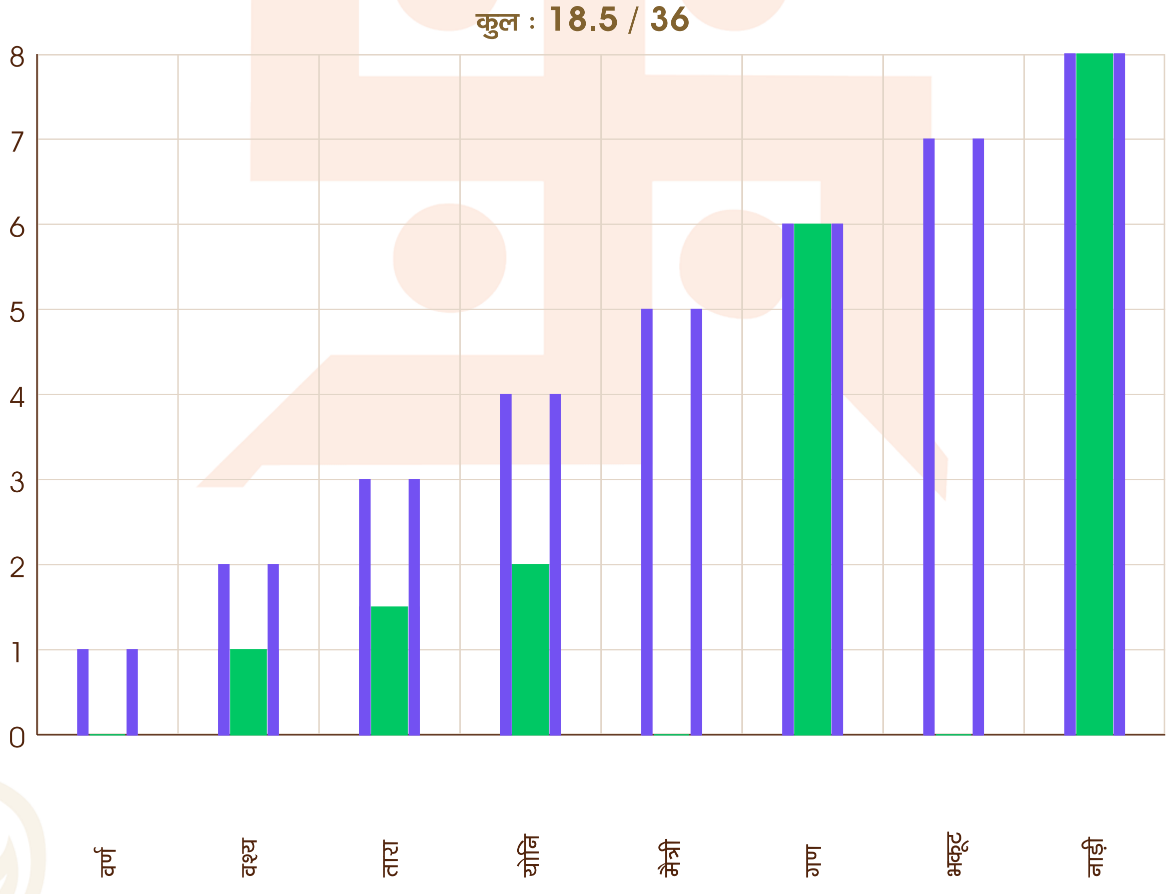

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

sahil का वर्ग मार्जार है तथा neha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार sahil और neha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

sahil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

neha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

sahil तथा neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

sahil का वर्ण वैश्य है तथा neha का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि neha का वर्ण sahil के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप neha अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। neha को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

sahil का वश्य जलचर है एवं neha का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर sahil एवं वनचर neha का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

sahil की तारा प्रत्यरि तथा neha की तारा साधक है। sahil की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत sahil कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप neha को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

sahil की योनि सिंह है तथा neha की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम

की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में sahil एवं neha दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण sahil एवं neha के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी sahil दवं neha को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

sahil का गण राक्षस है तथा neha का गण भी राक्षस है। अर्थात neha का गण sahil के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण sahil एवं neha दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

sahil से neha की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा neha से sahil की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। sahil एवं neha दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। sahil शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर neha बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु

की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

sahil की नाड़ी मध्य है तथा neha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण sahil एवं neha के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

sahil की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा neha की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। भूमि तथा अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण sahil और neha में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन समस्याओं से पूर्ण रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

sahil की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा neha की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से sahil और neha के परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा मतभेद एवं विरोध के भाव रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टिकोण रहेगा एवं अपने को एक दूसरे से श्रेष्ठ समझेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में आनन्दानुभुति की न्यूनता रहेगी।

sahil और neha की राशियां परस्पर अष्ठम तथा षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल मकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा आपस में विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे एवं आपस में दुर्भावना भी दृष्टिगोचर होगी। अतः ऐसी प्रवृतियों की सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए उपेक्षा करनी चाहिए।

sahil का वश्य जलचर तथा neha का वश्य वनचर है। अतः दोनों वश्यों में नैसर्गिक असमानता के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अन्तर रहेगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे। अतः ऐसे मिलान में विवाह की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

sahil का वर्ण वैश्य तथा neha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः sahil की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे लेकिन neha पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

sahil और neha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

sahil की नाड़ी मध्य तथा neha की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से sahil और neha दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा sahil और neha सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति के दृष्टि से sahil एवं neha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि neha का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति neha के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः neha को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे neha सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। sahil और neha बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार sahil और neha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

neha के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद neha अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा

उनकी ओर से neha पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि neha अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

sahil तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में sahil के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से sahil के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण sahil के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।